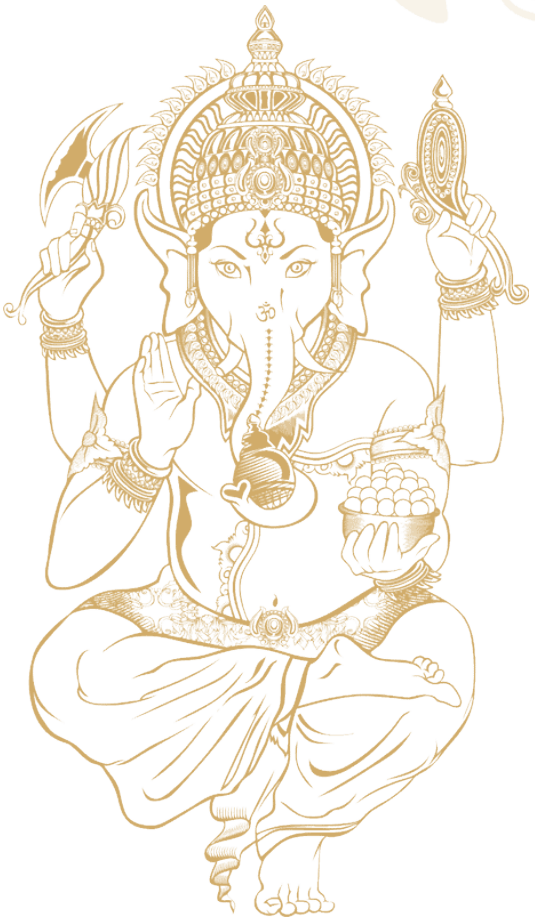

Priya Bhardwaj

24 Mar 1998

04:58 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121511304

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1998	जन्म तिथि	**24/03/2026**
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 16:58:00	जन्म समय	21:20:34 घंटे
घटी 26:32:28	जन्म समय(घटी)	37:29:33 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:00	सूर्योदय	06:20:44
18:34:56	सूर्यास्त	18:35:05
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:31
सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	मृगशिरा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	1
सिद्ध	योग	आयुष्मान
बालव	करण	गर
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
वानर	योनि	सर्प
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग
28	गत/तत्कालिक वर्ष	29

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०फाल्गुनी	2	19:42:18	सिंह			लग्न			तुला	15:55:14	3	स्वाति
उ०भाद्रपद	2	09:47:27	मीन			सूर्य			मीन	09:47:27	2	उ०भाद्रपद
श्रवण	3	19:12:40	मक			चंद्र			वृष	24:40:58	1	मृगशिरा
रेवती	2	21:23:47	मीन		अ	मंगल		अ	कुंभ	23:08:29	1	पू०भाद्रपद
रेवती	4	26:56:54	मीन			बुध			कुंभ	14:57:31	3	शतभिषा
शतभिषा	4	17:37:43	कुंभ			गुरु			मिथु	21:09:25	1	पुनर्वसु
धनिष्ठा	1	23:21:25	मक			शुक्र			मीन	28:21:46	4	रेवती
रेवती	4	27:00:18	मीन			शनि		अ	मीन	10:24:25	3	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	1	16:34:45	सिंह			राहु	व		कुंभ	14:29:57	3	शतभिषा
शतभिषा	3	16:34:45	कुंभ			केतु	व		सिंह	14:29:57	1	पू०फाल्गुनी
श्रवण	3	17:44:48	मक			मु			धनु	19:42:18	2	पूर्वाषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

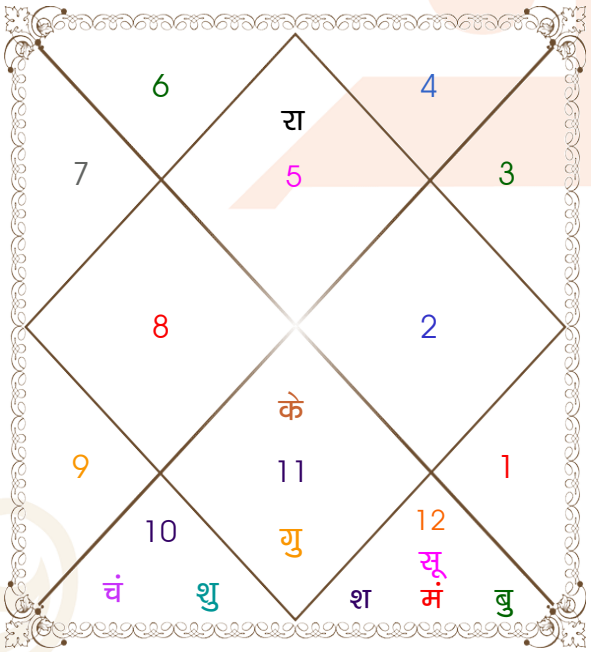

वर्ष लग्न कुंडली

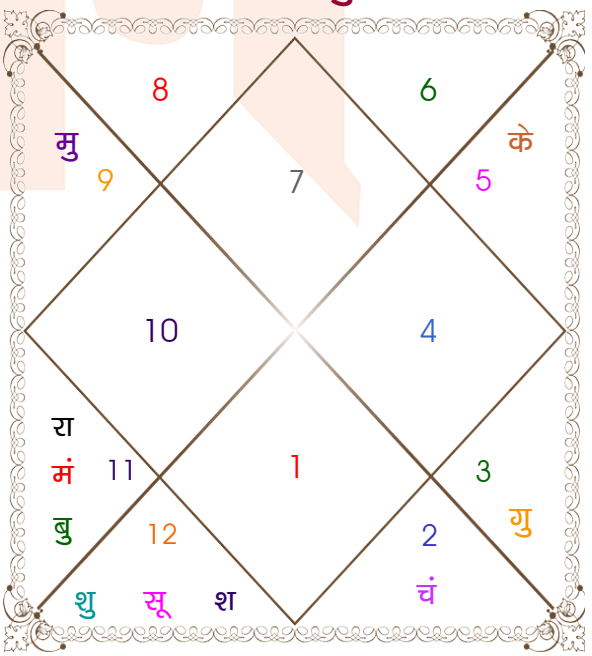

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - सूर्य	
07/03/2026 00:47	
26/03/2026 05:00	
सूर्य	07/03/2026 23:47
चंद्र	09/03/2026 14:09
मंगल	10/03/2026 16:59
राहु	13/03/2026 14:01
गुरु	16/03/2026 03:23
शनि	19/03/2026 04:15
बुध	21/03/2026 21:27
केतु	23/03/2026 00:18
शुक्र	26/03/2026 05:00

राहु - मंगल - चंद्र	
26/03/2026 05:00	
27/04/2026 04:01	
चंद्र	28/03/2026 20:55
मंगल	30/03/2026 17:39
राहु	04/04/2026 12:43
गुरु	08/04/2026 18:59
शनि	13/04/2026 20:26
बुध	18/04/2026 09:05
केतु	20/04/2026 05:50
शुक्र	25/04/2026 13:40
सूर्य	27/04/2026 04:01

गुरु - गुरु - गुरु	
27/04/2026 04:01	
09/08/2026 01:28	
गुरु	11/05/2026 00:29
शनि	27/05/2026 11:16
बुध	11/06/2026 04:31
केतु	17/06/2026 05:58
शुक्र	04/07/2026 13:32
सूर्य	09/07/2026 18:12
चंद्र	18/07/2026 10:00
मंगल	24/07/2026 11:27
राहु	09/08/2026 01:28

गुरु - गुरु - शनि	
09/08/2026 01:28	
10/12/2026 10:25	
शनि	28/08/2026 14:17
बुध	15/09/2026 01:45
केतु	22/09/2026 06:28
शुक्र	12/10/2026 19:58
सूर्य	19/10/2026 00:01
चंद्र	29/10/2026 06:46
मंगल	05/11/2026 11:29
राहु	23/11/2026 23:38
गुरु	10/12/2026 10:25

गुरु - गुरु - बुध	
10/12/2026 10:25	
30/03/2027 19:42	
बुध	26/12/2026 01:44
केतु	01/01/2027 12:17
शुक्र	19/01/2027 21:49
सूर्य	25/01/2027 10:17
चंद्र	03/02/2027 15:04
मंगल	10/02/2027 01:36
राहु	26/02/2027 15:00
गुरु	13/03/2027 08:14
शनि	30/03/2027 19:42

गुरु - गुरु - केतु	
30/03/2027 19:42	
15/05/2027 06:35	
केतु	02/04/2027 11:20
शुक्र	10/04/2027 01:09
सूर्य	12/04/2027 07:42
चंद्र	16/04/2027 02:36
मंगल	18/04/2027 18:14
राहु	25/04/2027 13:52
गुरु	01/05/2027 15:19
शनि	08/05/2027 20:02
बुध	15/05/2027 06:35

गुरु - गुरु - शुक्र	
15/05/2027 06:35	
22/09/2027 03:23	
शुक्र	05/06/2027 22:03
सूर्य	12/06/2027 09:53
चंद्र	23/06/2027 05:37
मंगल	30/06/2027 19:26
राहु	20/07/2027 06:57
गुरु	06/08/2027 14:32
शनि	27/08/2027 04:01
बुध	14/09/2027 13:34
केतु	22/09/2027 03:23

गुरु - गुरु - सूर्य	
22/09/2027 03:23	
31/10/2027 02:25	
सूर्य	24/09/2027 02:08
चंद्र	27/09/2027 08:03
मंगल	29/09/2027 14:36
राहु	05/10/2027 10:51
गुरु	10/10/2027 15:31
शनि	16/10/2027 19:34
बुध	22/10/2027 08:02
केतु	24/10/2027 14:35
शुक्र	31/10/2027 02:25

गुरु - गुरु - चंद्र	
31/10/2027 02:25	
04/01/2028 00:49	
चंद्र	05/11/2027 12:17
मंगल	09/11/2027 07:12
राहु	19/11/2027 00:57
गुरु	27/11/2027 16:44
शनि	07/12/2027 23:29
बुध	17/12/2027 04:16
केतु	20/12/2027 23:10
शुक्र	31/12/2027 18:54
सूर्य	04/01/2028 00:49

गुरु - गुरु - मंगल	
04/01/2028 00:49	
18/02/2028 11:42	
मंगल	06/01/2028 16:27
राहु	13/01/2028 12:05
गुरु	19/01/2028 13:32
शनि	26/01/2028 18:16
बुध	02/02/2028 04:48
केतु	04/02/2028 20:26
शुक्र	12/02/2028 10:15
सूर्य	14/02/2028 16:48
चंद्र	18/02/2028 11:42

गुरु - गुरु - राहु	
18/02/2028 11:42	
14/06/2028 08:49	
राहु	07/03/2028 00:28
गुरु	22/03/2028 14:29
शनि	10/04/2028 02:38
बुध	26/04/2028 16:01
केतु	03/05/2028 11:39
शुक्र	22/05/2028 23:10
सूर्य	28/05/2028 19:26
चंद्र	07/06/2028 13:11
मंगल	14/06/2028 08:49

गुरु - शनि - शनि	
14/06/2028 08:49	
07/11/2028 20:58	
शनि	07/07/2028 13:33
बुध	28/07/2028 07:40
केतु	05/08/2028 20:46
शुक्र	30/08/2028 06:48
सूर्य	06/09/2028 14:36
चंद्र	18/09/2028 19:37
मंगल	27/09/2028 08:43
राहु	19/10/2028 08:08
गुरु	07/11/2028 20:58

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबधी कार्यो में भी इस समय आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी ।इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।